विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW)

चर्चा में क्यों?

विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW) के अवसर पर, **बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने** एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इसका उद्देश्य **मरीज़ों और MBBS छात्रों को रोगाणुरोधी दवाओं के** सही उपयोग और महत्त्व के बारे में शिक्षित करना है।

मुख्य बिंदु

- **WAAW का अवलोकन:**
  - रोगाणुरोधी प्रतिरोध **के संबंध में जागरूकता बढ़ाने** के लिये विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW) **प्रतिवर्ष 18 से 24 नवंबर तक मनाया जाता है।**
  - AMR तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी **या** कवक **जैसे सूक्ष्मजीव विकसित होते हैं और रोगाणुरोधी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं,** जिससे संक्रमण का उपचार कठिन हो जाता है और रोग फैलने, गंभीर बीमारी और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है।
  - विशेषज्ञों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध **के कारण प्रतिवर्ष लगभग 300,000 लोगों की मृत्यु होती है** तथा उन्होंने स्पष्ट किया कि हर बुखार टाइफाइड नहीं होता है या हर बुखार के लिये एंटीबायोटिक की आवश्यकता नहीं होती है।
- **इंटरैक्टिव गतिविधियाँ:**
  - छात्रों ने AMR जागरूकता का संदेश दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिये एक नुक्कड़ नाटक का प्रयोग किया।
  - AMR से निपटने में संक्रमण की रोकथाम की भूमिका पर ज़ोर देते हुए **उचित हाथ धोने की तकनीक का प्रदर्शन किया गया।**
- **महत्त्व:**
  - यह पहल **एंटीबायोटिक प्रतिरोध के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जनता को शिक्षित करने** तथा इस समस्या के समाधान के लिये स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध
(AntiMicrobial Resistance-AMR)

Drishti IAS

सूक्ष्मजीवों में रोगाणुरोधी दवाओं के प्रभाव का विरोध करने की क्षमता

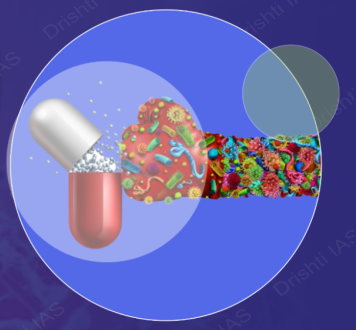

AMR में वृद्धि के कारण

- संक्रमण नियंत्रण/स्वच्छता की खराब स्थिति
- एंटीबायोटिक दवाओं का अति प्रयोग
- सूक्ष्मजीवों का आनुवंशिक उत्परिवर्तन
- नई रोगाणुरोधी दवाओं के अनुसंधान एवं विकास में निवेश का अभाव

AMR विकसित करने वाले सूक्ष्मजीवों को 'सुपरबग' कहा जाता है

AMR के प्रभाव

- ↑ संक्रमण फैलने का खतरा
- संक्रमण को इलाज को कठिन बना देता है; लंबे समय तक चलने वाली बीमारी
- ↑ स्वास्थ्य सेवाओं की लागत

उदाहरण

- K निमोनिया में AMR के कारण कार्बापेनेम्स (Carbapenem) एंटीबायोटिक्स प्रतिक्रिया करना बंद कर देते हैं
- AMR माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, रिफैम्पिसिन-प्रतिरोधी टीबी (RR-टीबी) का कारण बनता है
- दवा प्रतिरोधी HIV (HIVDR) एंटीरेट्रोवाइरल (ARV) दवाओं को अप्रभावी बना रहा है

WHO द्वारा मान्यता

- AMR की पहचान वैश्विक स्वास्थ्य के लिये शीर्ष 10 खतरों में से एक के रूप में
- वर्ष 2015 में GLASS (ग्लोबल एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस एंड यूज सर्विलांस सिस्टम) लॉन्च किया गया

AMR के खिलाफ भारत की पहलें

- टीबी, वेक्टर जनित रोग, एड्स आदि का कारण बनने वाले रोगाणुओं में AMR की निगरानी।
- वन हेल्थ के दृष्टिकोण के साथ AMR पर राष्ट्रीय कार्य योजना (2017)
- ICMR द्वारा एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम

न्यू देल्ही मेटालो-बीटा-लैक्टामेज़-1 (NDM-1)
एक जीवाणु एंजाइम है, जिसका उद्भव भारत से हुआ है, यह सभी मौजूदा β-लैक्टम एंटीबायोटिक्स को निष्क्रिय कर देता है

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-antimicrobial-awareness-week-1